



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204]
No. 204]नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 30, 2003/वैशाख 10, 1925
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 30, 2003/VAISAKHA 10, 1925

वित्त और केपनी कार्ड मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 40/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०)

सां०का०नि० 361(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शाकेयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय (दसवां संशोधन) नियम, 2003 है।
(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2002 में, नियम 9क में, उपनियम (4) के पश्चात निम्नलिखित उपनियम अंतः रथापित किया जायेगा, अर्थात्,-

“ (5) उपनियम (1), उपनियम (2) अथवा उपनियम (3) में विपरीत कुछ होते हुए भी, उपनियम (1) में वर्णित मालों के विनिर्माता, उत्पादक, प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर ने 30 अप्रैल, 2003 को या उससे पहले, उपनियम (1) अथवा उपनियम (2) में वर्णित मालों के 31 मार्च, 2003 को पड़े स्टाक का डिक्लरेशन न दिया हो, वह उपनियम (1) या उपनियम (2) में वर्णित मालों की 31 मार्च 2003 को पड़े हुए स्टोक के डिक्लरेशन के स्थान पर उक्त मालों की 1 अप्रैल 2003 को पड़े हुए स्टाक का डिक्लरेशन देगा। ऐसा डिक्लरेशन देने पर वह, उपनियम (1), उपनियम (2) या उपनियम (3) के साथ पठित उनके अंतर्गत जारी की गई किसी अधिसूचना के अंतर्गत मिलने वाले प्रत्यय के योग्य होगा।

(ख) उपनियम (1) में वर्णित मालों के लिए विनिर्माता, उत्पादक, प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर ने 30 अप्रैल 2003 को या उससे पहले, उपनियम (1) या उपनियम (2) में वर्णित मालों की 31 मार्च 2003 को पड़े स्टाक का डिक्लरेशन दिया हो वह उक्त मालों की 1 अप्रैल 2003 तक पड़े हुए स्टाक का नया डिक्लरेशन देगा। ऐसा डिक्लरेशन देने पर वह, उपनियम (1), उपनियम (2) या उपनियम (3) के साथ पठित उनके अंतर्गत जारी की गई

किसी अधिसूचना के अंतर्गत मिलने वाले प्रत्यय के योग्य होगा। उक्त विनिर्माता, उत्पादक, प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर प्रत्यय के योग्य नहीं होगा जो उपनियम (1) अथवा उपनियम (2) में वर्णित मालों के 31 मार्च 2003 को पड़े हुए स्टाक के, 30 अप्रैल 2003 या उससे पहले दिये गए डिक्लरेशन के आधार पर, यदि, लिया गया हो।

परंतु इस खंड में कहा गया कुछ भी लागू नहीं होगा यदि 31 मार्च 2003 को पड़े उक्त मालों का स्टाक तथा 1 अप्रैल को पड़े उक्त मालों के विवरण, मात्रा तथा मूल्य में कोई अंतर न हो तथा उक्त विनिर्माता, उत्पादक, प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर यह सूचित करता है कि उसके द्वारा दिये गये पहले डिक्लरेशन को 1 अप्रैल 2003 को पड़े उक्त मालों का डिक्लरेशन माना जाए।

[फा० सं० बी०-3/5/2003-टी आर यू०]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

टिप्पण :- (1) मूल अधिसूचना सं० 5/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०), तारीख 1 मार्च, 2002 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा०का०नि० 144 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित हुई थी, और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 39/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०) तारीख 25 अप्रैल, 2003 [सा०का०नि० 355 (अ) तारीख 25 अप्रैल, 2003] द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 40/2003-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 361(E).— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2002, namely:-

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Tenth Amendment) Rules, 2003.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the CENVAT Credit Rules, 2002, in rule 9A, after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely,-

“(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), sub-rule (2) or sub-rule (3),-

(a) in case the manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer referred to in sub-rule (1), as the case may be, who has not made declaration of the goods referred to in the said sub-rule (1) or sub-rule (2) lying in stock as on the 31st day of March, 2003, on or before the 30th day of April, 2003, he shall make a declaration of goods referred to in sub-rule (1) or sub-rule (2), lying in stock as on the 1st day of April, 2003, and upon making such declaration he shall be entitled to avail the credit in the similar manner as referred in sub rule (1), sub-rule (2) or sub- rule (3) read with any notification issued thereunder;

(b) in case the manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer , as the case may be, referred to in sub-rule (1), who has made declaration of the goods referred to in sub-rule (1) or sub-rule (2) lying in stock as on the 31st day of March, 2003 and has availed credit in terms of the provision contained in this rule, on or before the 30th day of April, 2003, he shall make a declaration afresh, of the stock of the said goods lying as on 1st day of April, 2003 and upon making such declaration he shall be entitled to avail the credit in the similar manner as referred in sub rule (1), sub-rule (2) or sub-rule (3) read with any notification issued thereunder. The manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer, as the case may be, referred to in sub-rule (1) shall not be eligible for the credit availed, if any, on the basis of any declaration of the goods referred to in sub-rule (1) or sub-rule (2) lying in stock as on the 31st day of March, 2003 made prior to the 30th day of April, 2003:

Provided that nothing contained in this clause shall apply if there is no difference in the description, quantity and value in declaration of the said goods lying in stock as on the 31st day of March, 2003 and on the 1st day of April, 2003, and the said manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer, as the case may be, gives an intimation that the declaration made earlier may be taken as his declaration of the said goods lying in stock as on the 1st day of April, 2003.”.

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Footnote:—The principal rules were published in the Gazette of India *vide* notification No. 5/2002-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002, *vide* number GSR 144 (E), dated the 1st March, 2002, and were last amended *vide* notification No. 39/2003-Central Excise (N.T.), dated the 25th April, 2003, *vide* number GSR 355 (E), dated the 25th April, 2003.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 41/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०)

सा०का०नि० 362(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तदेन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 13/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी), तारीख 1 मार्च, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, क्रम सं० 14 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)
“14	1905.39	वैफर बिस्कुट से भिन्न सभी माल	40 %
14क	1905.39	वैफर बिस्कुट	35%”;

[फा० सं० बी-3/5/2003-टी आर यू]
वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

टिप्पण :- मूल अधिसूचना सं० 13/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०), तारीख 1 मार्च, 2002 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा० का० नि० 152 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित हुई थी, और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 10/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क(एन०टी०), तारीख 1 मार्च, 2003 [सा०का०नि० 150 (अ) तारीख 1 मार्च 2003] द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 41/2003-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 362(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (2) of section 4A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 13/2002-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002, namely:-

In the said notification, in the Table, for S. No. 14 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)
"14.	1905.39	All goods, other than wafer biscuits	40%
14A.	1905.39	Wafer biscuits	35%".

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Footnote:— The principal notification 13/2002- Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 152 (E), dated the 1st March 2002 and was last amended vide notification No.10/2003-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2003 [G.S.R. 150(E), dated, the 1st March, 2003].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं 34/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सांकेतिक 363(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान है जाने पर कि लोकहित में ऐसा करता आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची (जिसे इसमें इसके पश्चात पहली अनुसूची कहा गया है) के अध्याय 61 अथवा 62 के अंतर्गत आने वाले बने बनाये वरत्र और कपड़ा उपसाधन, जिन पर किसी अन्य व्यक्ति का ब्रांड नाम या व्यापार नाम, ज्ञाहे पर्जीकृत हो या नहीं, चिह्नित न हो, को किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात की गई पच्चीस लाख रुपयों से अनधिक सकल मूल्य तक, घरेलू खपत के लिए, की गई पहली निकासी, को उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क से संपूर्ण छूट देती है:

परंतु कि वित्तीय वर्ष 2003-2004 के दौरान इस अधिसूचना में निहित विनिर्दिष्ट मालों पर 30 अप्रैल, 2003 को या उसके पश्चात की गई पच्चीस लाख रुपयों से अनधिक घरेलू खपत के लिए की गई पहली निकासी पर लागू होगी।

2. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट केवल निम्नलिखित शर्तों के आधीन रहते हुए, लागू होगी अर्थात्—

(i) जब कोई विनिर्माता, एक या अधिक कारखानों से विनिर्दिष्ट मालों की निकासी करता है, तब उसके मामले में छूट घरेलू खपत के लिए निकासियों के सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक कारखाने के लिए अलग अलग।

(ii) जहां किसी कारखाने से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा विनिर्दिष्ट मालों की निकासी की गई है वहां छूट घरेलू खपत के लिए निकासियों के सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक विनिर्माता के लिए अलग अलग।

(iii) एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा अथवा एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी एक कारखाने से घरेलू खपत के लिए विनिर्दिष्ट मालों की निकासियों का सकल, एक वित्तीय वर्ष में तीस लाख से अधिक नहीं है:

परंतु वित्त वर्ष 2003-2004 में छूट तभी लागू होगी जब कि एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा या एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी कारखाने से 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान विनिर्दिष्ट मालों की अपेक्षित सकल निकासियाँ तीस लाख रुपयों से अधिक नहीं हैं।

परंतु यह भी कि यदि वित्त वर्ष 2003-2004 में, 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान विनिर्दिष्ट मालों की घरेलू खपत के लिए निकासियों का सकल मूल्य तीस लाख रुपयों से अधिक हो तो वह विनिर्माता उक्त पच्चसी लाख रुपयों की निकासी पर, इस अधिसूचना के अंतर्विष्ट छूट के बिना उन निकासियों पर सामान्य दर से देय शुल्क की बराबर राशि उस दिन से तीन दिवसों के भीतर अदा करेगा जिस दिन निकासी उक्त तीस लाख रुपयों से अधिक हो गई।

(iv) विनिर्माता कच्चे माल के क्रय से संबंधित सारे दस्तावेज रखेगा।

(v) विनिर्माता को, यह विकल्प होगा की वह इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग न करे और विनिर्दिष्ट मालों की निकासी उन पर देय शुल्क की सामान्य दरों पर करे। परंतु अगर यह विकल्प किसी वित्त वर्ष में प्रयोग किया गया, तो वह विनिर्माता उस वित्त वर्ष के शेष भाग में इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग नहीं कर सकेगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए -

(क) “ब्रांड नाम” या “व्यापार नाम” से वह ब्रांड नाम या व्यापार नाम, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं अर्थात् एक नाम या कोई चिट्ठन जैसे प्रतीक, मोनापेग्राम, लेबल, हस्ताक्षर या आविष्कृत शब्द या लेखन या ऐसे विनिर्दिष्ट माल के संबंध में ऐसे विनिर्दिष्ट माल पर और जैसे माल या चिट्ठन का उपयोग करने वाले व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के पहचान के किसी उपदर्शन के साथ या उसके बिना या व्यापार के अनुक्रम में संबंध दर्शित करने के प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है या उसका इस प्रकार उपयोग किया जाता है कि जिससे कि वह उससे उपदर्शित करे अभिप्रेत है।

(ख) “मूल्य” शब्द का अर्थ, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार अवधारित मूल्य या उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियम टैरिफ मूल्य,

(ग) “शुल्क की सामान्य दर” से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी सुसंगत अधिसूचना (इस अधिसूचना या ऐसी किसी अधिसूचना जिसमें छूट निकासियों का मूल्य या मात्रा पर आधारित है से भिन्न) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क का योग अभिप्रेत है:

[फा० सं० बी०-3/5/2003-टी आर यू]
वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 34/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 363(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts first clearances for home consumption, upto an aggregate value not exceeding twenty five lakh rupees made on or after the 1st day of April in any financial year, of readymade garments and clothing accessories, not bearing a brand name or trade name, whether registered or not, of another person, falling under chapter 61 or 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (herein after referred to as the specified goods), from the whole of the duty of excise specified thereon in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act:

Provided that during the financial year 2003-2004, the exemption contained in this notification shall apply to the first clearances for home consumption, of the specified goods, up to an aggregate value not exceeding twenty five lakh rupees made on or after the 30th day of April, 2003.

2. The exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions, namely,-

- (i) where a manufacturer clears the specified goods from one or more factories, the exemption in his case shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each factory;
- (ii) where the specified goods are cleared by one or more manufacturers from a factory, the exemption shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each manufacturer;
- (iii) the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods, by the said manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed thirty lakh rupees in a financial year:

Provided that in the financial year 2003-2004, the exemption shall apply only if the aggregate value of clearances of specified goods, by a manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed thirty lakh rupees during the period beginning from the 30th day of April, 2003:

Provided further that in any financial year, if the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods exceeds thirty lakh rupees, or as the case may be, in the financial year 2003-2004, if the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods during the period beginning from the 30th day of April, 2003 exceed thirty lakh rupees, the said manufacturer shall pay the amount of duty as payable, on the said first clearances of the specified goods of twenty five lakh rupees, but for the exemption contained in this notification, within thirty days of the day when such clearance exceeds the said thirty lakh rupees;

- (iv) the manufacturer shall keep all documents relating to purchase of fabrics;
- (v) the manufacturer may opt not to avail the exemption contained in this notification and clear the specified goods on payment of normal rate of duty. However, once such option has been exercised during a financial year, the said manufacturer shall not be allowed to avail the exemption during the remaining part of that financial year.

Explanation.- For the purposes of this notification,-

- (A) "brand name" or "trade name" means a brand name or a trade name, whether registered or not, that is to say, a name or a mark, such as symbol, monogram, label, signature or invented word or writing which is used in relation to such specified goods for the purpose of indicating, or so as to indicate a connection in the course of trade between such specified goods and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person;
- (B) "value" means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Central Excise Act or the tariff value fixed under section 3 of that Act;
- (C) "normal rate of duty" means the duty of excise specified in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act read with any relevant notification (other than this notification) issued under sub-section (1) of section 5A of the said Central excise Act;

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 35/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा०का०नि० 364(अ).— केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची (जिसे इसमें इसके पश्चात पहली अनुसूची कहा गया है) के अध्याय 51, 52, 54, 55, 58 अथवा 60 के अंतर्गत आने वाले फैब्रिक जो प्रसंस्कृत न हो, को किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात की गई पच्चीस लाख रुपयों से अनधिक सकल मूल्य तक, घरेलू खपत के लिए, की गई पहली निकासी, को उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची तथा उक्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) की पहली अनुसूची के आधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्कों से संपूर्ण छूट देती है:

परंतु कि वित्तीय वर्ष 2003-2004 के दौरान इस अधिसूचना में निहित विनिर्दिष्ट मालों पर 30 अप्रैल, 2003 को या उसके पश्चात की गई बीस लाख रुपयों से अनधिक घरेलू खपत के लिए की गई पहली निकासी पर लागू होगी ।

2. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट केवल निम्नलिखित शर्तों के आधीन रहते हुए, लागू होगी अर्थात्-

(i) जब कोई विनिर्माता, एक या अधिक कारखानों से विनिर्दिष्ट मालों की निकासी करता है, तब उसके मामले में छूट घरेलू खपत के लिए निकासियों को सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक कारखाने के लिए अलग अलग ।

(ii) जहां किसी कारखाने से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा विनिर्दिष्ट मालों की निकासी की गई है वहां छूट घरेलू खपत के लिए निकासियों के सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक विनिर्माताओं द्वारा किसी एक कारखाने से घरेलू खपत के लिए विनिर्दिष्ट मालों की निकासियों का सकल, एक वित्तीय वर्ष में पच्चीस लाख से अधिक नहीं है:

परंतु वित्त वर्ष 2003-2004 में छूट तभी लागू होगी जब कि एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा या एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी कारखाने से 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान विनिर्दिष्ट मालों की अपेक्षित सकल निकासियाँ पच्चीस लाख रुपयों से अधिक नहीं है ।

परंतु यह भी कि यदि वित्त वर्ष 2003-2004 में, 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान विनिर्दिष्ट मालों की घरेलू खपत के लिए निकासियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपयों से अधिक हो तो वह विनिर्माता उक्त बीस लाख रुपयों की निकासी पर, इस अधिसूचना के अंतर्विष्ट छूट के बिना उन निकासियों पर सामान्य दर से देय शुल्क की बराबर राशि उस दिन से तीन दिवसों के भीतर अदा करेगा जिस दिन निकासी उक्त पच्चीस लाख रुपयों से अधिक हो गई ।

(iv) विनिर्माता कच्चे माल के क्रय से संबंधित सारे दस्तावेज रखेगा ।

(v) विनिर्माता को, यह विकल्प होगा की वह इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग न करे और विनिर्दिष्ट मालों की निकासी उन पर देय शुल्क की सामान्य दरों पर करे । परंतु अगर यह विकल्प किसी वित्त वर्ष में प्रयोग किया गया, तो वह विनिर्माता उस वित्त वर्ष के शेष भाग में इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग नहीं कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,-

(क) “मूल्य ” शब्द का अर्थ, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार अवधारित मूल्य

(ख) “शुल्क की सामान्य दर ” से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी सुसंगत अधिसूचना (इस अधिसूचना से भिन्न) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क का योग अभिप्रेत है:

[फा० सं० बी०-3/5/2003-टी आर यू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 35/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 364(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts first clearances for home consumption, upto an aggregate value not exceeding twenty lakh rupees made on or after the 1st day of April in any financial year, of fabrics, not subjected to any process falling under Chapter 51, 52, 54, 55, 58 or 60 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (herein after referred to as the specified goods), from the whole of the duty of excise specified thereon in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act and the First Schedule to the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act:

Provided that during the financial year 2003-2004, the exemption contained in this notification shall apply to the first clearances for home consumption of the specified goods, upto an aggregate value not exceeding twenty lakh rupees made on or after the 30th day of April 2003.

2. The exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions, namely,-

- (i) where a manufacturer clears the specified goods from one or more factories, the exemption in his case shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each factory;
- (ii) where the specified goods are cleared by one or more manufacturers from a factory, the exemption shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each manufacturer;
- (iii) the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods, by the said manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed twenty five lakh rupees in a financial year;

Provided that in the financial year 2003-2004, the exemption shall apply only if the aggregate value of clearances of specified goods, by a manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed twenty five lakh rupees during the period beginning from the 30th day of April, 2003:

Provided further that in any financial year, if the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods exceeds twenty five lakh rupees, or as the case may be, in the financial year 2003-2004, if the aggregate value of clearances for home consumption of specified goods during the period beginning from the 30th day of April, 2003 exceeds twenty five lakh rupees, the said manufacturer shall pay the amount of duty as payable, on the said first clearances of the specified goods of twenty lakh rupees, but for the exemption contained in this notification, within thirty days of the day when such clearance exceeds the said twenty five lakh rupees;

- (iv) the manufacturer shall keep all documents relating to purchase of yarns;
- (v) the manufacturer may opt not to avail the exemption contained in this notification and clear the specified goods on payment of normal rate of duty. However, once such option has been exercised during a financial year, the said manufacturer shall not be allowed to avail the exemption during the remaining part of that financial year.

Explanation.— For the purposes of this notification,-

- (A) “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Central Excise Act;
- (B) “normal rate of duty” means the duty of excise specified in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act and the First Schedule to the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act read with any relevant notification (other than this notification) issued under sub-section (1) of section 5A of the said Central Excise Act;

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

अधिसूचना
नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं. 36/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सांकेतिको 365(अ).— केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1947 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोग नहिं में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची (जिसे इसमें इसके पश्चात पहली अनुसूची कहा गया है) के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित मालों को, अर्थात्,—

(i) उपशीर्ष सं. 5406.10 के अंतर्गत आने वाला कपड़ा जो उपशीर्ष सं 5404.10 के अंतर्गत आने वाले मोनो फिलार्मेंट से बना हो;

(ii) शीर्ष सं 52.06 के अंतर्गत आने वाला रबराइज्ड कपड़ा;

(iii) अध्याय 52 या 59 के अंतर्गत आने वाली बुनी हुई और असंस्कृत सूत बैल्टिंग;

(iv) शीर्ष सं 6002.43 के अंतर्गत आने वाले गोल जालीदार मच्छरदानी कपड़ा;

(जिनको इसके पश्चात विनिर्दिष्ट भाल कहा गया है) को किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात की गई पच्चीस लाख रुपयों से अनधिक सकल मूल्य तक, घरेलू खपत के लिए, की गई पहली निकासी, को उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची तथा उक्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) की पहली अनुसूची के आधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्कों से संपूर्ण छूट देती है:

परंतु कि वित्तीय वर्ष 2003-2004 के दौरान इस अधिसूचना में निहित विनिर्दिष्ट मालों पर 30 अप्रैल, 2003 को या उसके पश्चात की गई पच्चीस लाख रुपयों से अनधिक धरेलू खपत के लिए की गई पहली निकासी पर लागू होगी।

2. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट केवल निम्नलिखित शर्तों के आधीन रहते हुए, लागू होगी अर्थात्—

(i) जब कोई विनिर्माता, एक या अधिक कारखानों से विनिर्दिष्ट मालों की निकासी करता है, तब उसके मामले में छूट धरेलू खपत के लिए निकासियों को सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक कारखाने के लिए अलग अलग।

(ii) जहाँ किसी कारखाने से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा विनिर्दिष्ट मालों की निकासी की गई है वहाँ छूट धरेलू खपत के लिए निकासियों के सकल मूल्य पर लागू होगी न कि प्रत्येक विनिर्माता के लिए अलग अलग।

(iii) एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा अथवा एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी एक कारखाने से धरेलू खपत के लिए सभी उत्पाद शुल्क देय मालों की निकासियों का सकल, एक वित्तीय वर्ष में तीस लाख से अधिक नहीं है:

परंतु वित्त वर्ष 2003-2004 में छूट तभी लागू होगी जब कि एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा या एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी कारखाने से 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान सभी उत्पाद शुल्क देय मालों की सकल निकासियाँ तीस लाख रुपयों से अधिक नहीं हो।

परंतु यह भी कि यदि वित्त वर्ष 2003-2004 में, 30 अप्रैल, 2003 से प्रारंभ होने वाली अवधि के दौरान सभी उत्पाद शुल्क देय मालों की धरेलू खपत के लिए निकासियों का सकल मूल्य तीस लाख रुपयों से अधिक हो तो वह विनिर्माता उक्त पच्चीस लाख रुपयों की निकासी पर, इस अधिसूचना के अंतर्विष्ट छूट के बिना उन निकासियों पर सामान्य दर से देय शुल्क की बाबर राशि उस दिन से तीन दिवसों के भीतर अदा करेगा जिस दिन निकासी उक्त तीस लाख रुपयों से अधिक हो गई।

(iv) विनिर्माता कच्चे माल के क्रय से संबंधित सारे दस्तावेज रखेगा।

122561/...

(v) विनिर्माता को, यह विकल्प होगा की वह इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग न करे और विनिर्दिष्ट मालों की निकासी उन पर देय शुल्क की सामान्य दरों पर करे। परंतु अगर यह विकल्प किसी वित्त वर्ष में प्रयोग किया गया, तो वह विनिर्माता उस वित्त वर्ष के शेष भाग में इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट का उपभोग नहीं कर सकेगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए:-

(क) “मूल्य” शब्द का अर्थ, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार अवधारित मूल्य या उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियम टैरिफ मूल्य;

(ख) “शुल्क की सामान्य दर” से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी सुसंगत अधिसूचना (इस अधिसूचना से भिन्न) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्कों का योग अभिप्रेत है:

[फा० सं० बी-3/5/2003-टी आर यू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 36/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 365(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest ... to do, hereby exempts first clearances for home consumption, upto an aggregate value not exceeding twenty five lakh rupees made on or after the 1st day of April in any financial year, of following goods falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), namely,-

- (i) Fabrics falling under sub-heading No. 5406.10 made from monofilament of sub-heading No. 5404.10;
- (ii) rubberized textile fabrics falling under heading No. 59.06;
- (iii) woven and unprocessed cotton belting falling under Chapter 52 or 59; or
- (iv) round mesh mosquito net fabrics falling under sub-heading No. 6002.43

(herein after referred to as the specified goods), from the whole of the duty of excise specified thereon in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act and First Schedule to the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act:

Provided that during the financial year 2003-2004, the exemption contained in this notification shall apply to the first clearances for home consumption of the specified goods, upto an aggregate value not exceeding twenty five lakh rupees made on or after the 30th day of April, 2003.

2. The exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions, namely,-

- (i) where a manufacturer clears the specified goods from one or more factories, the exemption in his case shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each factory;
- (ii) where the specified goods are cleared by one or more manufacturers from a factory, the exemption shall apply to the said aggregate value of clearances for home consumption and not separately for each manufacturer;
- (iii) the aggregate value of clearances for home consumption of all excisable goods, by the said manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed thirty lakh rupees in a financial year:

Provided that in the financial year 2003-2004, the exemption shall apply only if the aggregate value of clearances of all excisable goods, by a manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed thirty lakh rupees during the period beginning from the 30th day of April, 2003:

Provided further that in any financial year, if the aggregate value of clearances for home consumption of all excisable goods exceed thirty lakh rupees, or as the case may be, in the financial year 2003-2004, if the aggregate value of clearances for home consumption of all excisable goods during the period beginning from the 30th day of April, 2003 exceeds thirty lakh rupees, the said manufacturer shall pay the amount of duty as payable, on the said first clearances of the specified goods of twenty five lakh rupees, but for the exemption contained in this notification, within thirty days of the day when such clearance exceeds the said thirty lakh rupees;

- (iv) the manufacturer shall keep all documents relating to purchase of inputs.
- (v) the manufacturer may opt not to avail the exemption contained in this notification and clear the specified goods on payment of normal rate of duty. However, once such option has been exercised during a financial year, the said manufacturer shall not be allowed to avail the exemption during the remaining part of that financial year

Explanation.- For the purposes of this notification,-

- (A) "value" means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Central Excise Act;
- (B) "normal rate of duty" means the duty of excise specified in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act and the First Schedule to the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act read with any relevant notification (other than this notification) issued under sub-section (1) of section 5A of the said Central Excise Act;

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं. 37/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं. 37/2003-खण्ड 3(i)—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, निदेश देती है कि नीचे सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाओं में से प्रत्येक को, यथास्थिति, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति में संशोधित या और संशोधित किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन												
(1)	(2)	(3)												
1.	6/2002- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002	<p>उक्त अधिसूचना में, सारणी में,-</p> <p>(i) क्रम सं० 244 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थातः-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>(1)</th> <th>(2)</th> <th>(3)</th> <th>(4)</th> <th>(5)</th> <th>(6)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>" 244</td> <td>15.02 या 15.03</td> <td> <p>निम्नलिखित माल अर्थातः-</p> <p>(क) परिष्कृत खाद्य तेल से भिन्न, सभी माल</p> <p>(ख) परिष्कृत खाद्य तेल</p> <p>(ग) परिष्कृत खाद्य तेल यदि उनका विनिर्माण ऐसे परिष्कृत खाद्य तेल से किया गया हो जिन पर यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत उद्धित उत्पाद शुल्क अथवा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) के अंतर्गत अतिरिक्त सीमाशुल्क, अदा किया जा चुका हो</p> <p>स्पष्टीकरण - इस छूट के प्रयोजन के लिए, "परिष्कृत खाद्य तेल" से अवाधशील वनस्पति तेल अभिप्रेत है, जिन पर उनके प्रकटन या निष्कर्ष के पश्चात् निम्नलिखित में से कोई एक या अधिक प्रक्रिया की गई है, अर्थात् :-</p> <p>(क) क्षार या अम्ल से उपचार;</p> <p>(ख) विरंजन; और</p> <p>(ग) गंधहरण,</p> <p>और जो खाद्य अपमिश्रण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) और उसके अधीन बनाए गए नियमों में विनिर्दिष्ट खाद्य तेलों के लिए यथाविहित मानकों के साथ पठित "परिष्कृत वनस्पति तेल" के मानकों के अनुरूप है</p> </td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table>	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	" 244	15.02 या 15.03	<p>निम्नलिखित माल अर्थातः-</p> <p>(क) परिष्कृत खाद्य तेल से भिन्न, सभी माल</p> <p>(ख) परिष्कृत खाद्य तेल</p> <p>(ग) परिष्कृत खाद्य तेल यदि उनका विनिर्माण ऐसे परिष्कृत खाद्य तेल से किया गया हो जिन पर यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत उद्धित उत्पाद शुल्क अथवा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) के अंतर्गत अतिरिक्त सीमाशुल्क, अदा किया जा चुका हो</p> <p>स्पष्टीकरण - इस छूट के प्रयोजन के लिए, "परिष्कृत खाद्य तेल" से अवाधशील वनस्पति तेल अभिप्रेत है, जिन पर उनके प्रकटन या निष्कर्ष के पश्चात् निम्नलिखित में से कोई एक या अधिक प्रक्रिया की गई है, अर्थात् :-</p> <p>(क) क्षार या अम्ल से उपचार;</p> <p>(ख) विरंजन; और</p> <p>(ग) गंधहरण,</p> <p>और जो खाद्य अपमिश्रण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) और उसके अधीन बनाए गए नियमों में विनिर्दिष्ट खाद्य तेलों के लिए यथाविहित मानकों के साथ पठित "परिष्कृत वनस्पति तेल" के मानकों के अनुरूप है</p>			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)									
" 244	15.02 या 15.03	<p>निम्नलिखित माल अर्थातः-</p> <p>(क) परिष्कृत खाद्य तेल से भिन्न, सभी माल</p> <p>(ख) परिष्कृत खाद्य तेल</p> <p>(ग) परिष्कृत खाद्य तेल यदि उनका विनिर्माण ऐसे परिष्कृत खाद्य तेल से किया गया हो जिन पर यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत उद्धित उत्पाद शुल्क अथवा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) के अंतर्गत अतिरिक्त सीमाशुल्क, अदा किया जा चुका हो</p> <p>स्पष्टीकरण - इस छूट के प्रयोजन के लिए, "परिष्कृत खाद्य तेल" से अवाधशील वनस्पति तेल अभिप्रेत है, जिन पर उनके प्रकटन या निष्कर्ष के पश्चात् निम्नलिखित में से कोई एक या अधिक प्रक्रिया की गई है, अर्थात् :-</p> <p>(क) क्षार या अम्ल से उपचार;</p> <p>(ख) विरंजन; और</p> <p>(ग) गंधहरण,</p> <p>और जो खाद्य अपमिश्रण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) और उसके अधीन बनाए गए नियमों में विनिर्दिष्ट खाद्य तेलों के लिए यथाविहित मानकों के साथ पठित "परिष्कृत वनस्पति तेल" के मानकों के अनुरूप है</p>												

(ii) क्रम सं 245 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थातः—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
“245.	15.04	<p>निम्नलिखित माल अर्थातः—</p> <p>(क) सभी माल (जो (क) भागतः या पूर्णतः हाइड्रोजनीकृत वनस्पति वसा और तेल तथा उनके प्रभाजों, जो सामान्यतः “वनस्पति” के रूप में ज्ञात हैं, और (ख) बेकरी खस्ताकार से भिन्न हैं।</p> <p>(ख) बेकरी खस्ताकार या पूर्णतः हाइड्रोजनीकृत वनस्पति वसा और तेल तथा उनके प्रभाजों, जो सामान्यतः “वनस्पति” के रूप में ज्ञात हैं</p> <p>(ग) बेकरी खस्ताकार या पूर्णतः हाइड्रोजनीकृत वनस्पति वसा और तेल तथा उनके प्रभाजों, जो सामान्यतः वनस्पति के रूप में ज्ञात हैं यदि उनका विनिर्माण ऐसे बेकरी खस्ताकार या “वनस्पति” से किया गया हो जिन पर यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत उचित उत्पाद शुल्क अथवा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) के अंतर्गत अतिरिक्त सीमाशुल्क, अदा किया जा चुका हो</p>	कुछ नहीं	-	-	-

(iii) क्रम सं 246 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थातः—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
“ 246क	1508.90	मार्गरीन	कुछ नहीं	-	”

		<p>(iv) क्रम सं० 254 के समक्ष, स्तंभ (4) की प्रविष्टि के स्थान पर “कुछ नहीं” प्रतिस्थापित किया जायेगा;</p> <p>(v) क्रम सं० 272 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थातः—</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>(1)</th><th>(2)</th><th>(3)</th><th>(4)</th><th>(5)</th><th>(6)</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>“ 273</td><td>1905.20</td><td>सभी माल</td><td>8 प्रतिशत</td><td>-</td><td>-</td></tr> <tr> <td>274</td><td>1905.39</td><td>वैफर बिस्कुट</td><td>8 प्रतिशत</td><td>-</td><td>-</td></tr> <tr> <td>275</td><td>69</td><td>सिरमिक टाइलें, जो ऐसे कारखाने में विनिर्मित हों, जो कि भट्टी जलाने के लिए विद्युत अथवा शीर्ष सं० 27.09, 27.10, 27.11 या 27.13 के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयोग नहीं करता हो</td><td>8 प्रतिशत</td><td>-</td><td>”;</td></tr> </tbody> </table>	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	“ 273	1905.20	सभी माल	8 प्रतिशत	-	-	274	1905.39	वैफर बिस्कुट	8 प्रतिशत	-	-	275	69	सिरमिक टाइलें, जो ऐसे कारखाने में विनिर्मित हों, जो कि भट्टी जलाने के लिए विद्युत अथवा शीर्ष सं० 27.09, 27.10, 27.11 या 27.13 के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयोग नहीं करता हो	8 प्रतिशत	-	”;						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)																											
“ 273	1905.20	सभी माल	8 प्रतिशत	-	-																											
274	1905.39	वैफर बिस्कुट	8 प्रतिशत	-	-																											
275	69	सिरमिक टाइलें, जो ऐसे कारखाने में विनिर्मित हों, जो कि भट्टी जलाने के लिए विद्युत अथवा शीर्ष सं० 27.09, 27.10, 27.11 या 27.13 के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयोग नहीं करता हो	8 प्रतिशत	-	”;																											
2.	10/2003- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003	<p>उक्त अधिसूचना में, सारणी में—</p> <p>(i) क्रम सं० 35 के समक्ष स्तंभ (2) की प्रविष्टियों के स्थान पर प्रविष्टियां “8413.11, 8413.12, 8413.13 या 8413.14” प्रतिस्थापित की जायेगी;</p> <p>(ii) क्रम सं० 51 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थातः—</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>(1)</th><th>(2)</th><th>(3)</th><th>(4)</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>“ 52.</td><td>8413.20 या 8413.91</td><td>सभी माल</td><td>कुछ नहीं”।</td></tr> </tbody> </table>	(1)	(2)	(3)	(4)	“ 52.	8413.20 या 8413.91	सभी माल	कुछ नहीं”।																						
(1)	(2)	(3)	(4)																													
“ 52.	8413.20 या 8413.91	सभी माल	कुछ नहीं”।																													

[फा० सं० बी०-3/5/2003-टी आर यू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

टिप्पणी :- (1) मूल अधिसूचना सं० 6/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा० का० नि० 127 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित हुई थी, और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 29/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 2003 [सा०का०नि० 288 (अ) तारीख 1 अप्रैल, 2003] द्वारा किया गया था।

(2) मूल अधिसूचना सं० 10/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा० का० नि० 140 (अ), तारीख 1 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित हुई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 37/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 366(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India, specified in column (2) of the Table below, shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.No.	Notification No. and date (1)	Amendments (2)	(3)			
1.	6/2002-Central Excise, dated the 1 st March, 2002	In the said notification, in the Table,- (i) for S.No. 244 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:-	(1)	(2)	(3)	(4)

“244. 15.02 or
15.03 The following goods
namely:-
(A) All goods other than
refined edible oils
(B) Refined edible oils

(C) Refined edible oils,
if manufactured out of
refined edible oils on
which the appropriate
duty of excise under the
First Schedule to the
Central Excise Tariff
Act, 1985 (5 of 1986) or
as the case may be, the
additional customs duty
under the Customs
Tariff Act, 1975 (51 of
1975) has already been
paid
Explanation.- For the
purposes of this
exemption, “refined
edible oil” means fixed
vegetable oils, which
subsequent to their

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Nil	-	-			
Re. One per kilogram	-	-			
Nil	-	-			

			expression or extraction, have undergone any one or more of the following processes, namely:- (a) treatment with alkali or acid; (b) bleaching; and (c) deodorisation, and conforms to the standards of "refined vegetable oil" read with the standards for the specified edible oils, as prescribed in the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) and rules made thereunder.			
(ii) for S.No. 245 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:-						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
"245.	15.04	The following goods namely:- (A) All goods (other than (a) partially or wholly hydrogenated vegetable fats and oils and fractions thereof, commonly known as "Vanaspati", and (b) bakery shortening) (B) Bakery shortening, or partially or wholly hydrogenated vegetable fats and oils and fractions thereof, commonly known as "Vanaspati" (C) Bakery shortening, or partially or wholly hydrogenated vegetable fats and oils and fractions thereof, commonly known as "Vanaspati", if manufactured out of bakery shortening or "Vanaspati" on which the appropriate duty of excise under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) or as the case may be, the additional customs duty	Nil	-	-	
			Rs. 1.25 per kilogram	-	-	
			Nil	-	-	

			under the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has already been paid			
(iii) after S.No. 246 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
"246A.	1508.90	Margarine	Nil	-	-	
(v) against S.No. 254, for the entry in column (4), the entry "Nil" shall be substituted;						
(v) after S. No. 272 and the entries relating thereto, the following shall be added, namely:-						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
"273.	1905.20	All goods	8%	-	-	
274.	1905.39	Wafer biscuits	8%	-	-	
275.	69	Ceramic tiles, manufactured in a factory not using electricity, or petroleum products falling under heading Nos. 27.09, 27.10, 27.11 or 27.13, for firing the kiln	8%	-	-	
2. 10/2003-Central Excise, dated the 1 st March, 2003 In the said notification, in the Table,-						
(i) against S.No.35, for the entries in column (2), the entries "8413.11, 8413.12, 8413.13 or 8413.14" shall be substituted;						
(ii) after S.No. 51 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-						
(1)	(2)	(3)	(4)			
"52.	8413.20 or 8413.91	All goods	Nil".			

[F. No. B-3/S/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Footnote:-

(1) The principal notification No.6/2002-Central Excise, dated the 1st March, 2002 was published in the Gazette of India, vide number G.S.R. 127(E), dated the 1st March, 2002 and was last amended vide notification No.29/2003-Central Excise, dated the 1st April, 2003 number G.S.R.288 (E), dated the 1st April, 2003.

(2) The principal notification No. 10/2003-Central Excise, dated the 1st March, 2003 was published in the Gazette of India, vide number G.S.R. 140 (E), dated the 1st March, 2003.

1225 CL/103-7

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 38/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सांकेतिकों 367(आ)।—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त एवं कंपनी कार्य मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 7/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, क्रम संख्यांक 45 उससे संबद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्याएं और प्रविष्टियाँ अंतः स्थापित की जायेंगी, अर्थात्,—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
“ 46 या 52.09	52.07, 52.08	<p>(क) सूती व्यूतित फैब्रिक, जिसमें अन्य कोई टैक्सटाइल वस्तु न हो;</p> <p>(ख) अन्य व्यूतित फैब्रिक जब उस पर निम्नलिखित कोई एक या अधिक प्रक्रियाएं की जाती हैं—</p> <p>(1) कलेंडरण (खांचेदार रोलरों के साथ कलेंडरण से भिन्न),</p> <p>(2) फ्लेनलिट रेजिंग,</p> <p>(3) नैटारेंग,</p> <p>(4) ग्रे और विरंजित किस्मों पर डैम्पिंग;</p> <p>(5) ग्रे और विरंजित किस्म पर बैक फिलिंग</p> <p>(6) झुलसाना, अर्थात् फैब्रिकों में गुथियों और खुले छोरों को जला देना,</p> <p>(7) अभमार्जन, अर्थात् सूत का आकार और सूत में पाए गए प्राकृतिक तेल का हटाया जाना,</p> <p>(8) संपाकर्तन या बुट्टा कर्तन,</p> <p>(9) संसाधन या ऊषा स्थिरीकरण</p> <p>(10) पैडिंग अर्थात् फैब्रिक कमे एक और या दोनों और स्टार्च या वसायुक्त सामग्री का जलाया जाना,</p> <p>(11) विस्तार करना, या</p> <p>(12) शक्ति की सहायता से जल निष्कर्षण, अर्थात् फैब्रिक से जल का यांत्रिक रूप से निष्कर्षण या यांत्रिक रूप से निचोड़ना।</p> <p>परंतु ऐसे वस्त्र पर विरंजित करने, रंगाई या छपाई की प्रक्रियाओं में से कोई एक या एक से अधिक प्रक्रियाएं शक्ति या वाष्प की सहायता से न की गई हों।</p>	5 प्रतिशत 8 प्रतिशत	कुछ नहीं कुछ नहीं

		स्पष्टीकरण:- सूती व्यूतित फैब्रिक के प्रयोजनों के लिए “कलेंडरण” में, स्टेटर संलग्नक के बिना जीरों-जीरों मीशन की सहायता से सूती फैब्रिक का प्रसंस्करण समिलित है।		
श्शात	54 या 55	मानव निर्मित फाइबरों से व्यूतित फैब्रिक, जिसमें निम्नलिखित प्रक्रियाओं में से कोई एक या अधिक की जाती है, अर्थात्— (1) सादा रोलरों से कलेंडरण; (2) झुलसाना, अर्थात् फैब्रिकों में गांठों और खुले छोरों को जला देना; (3) पैडिंग, अर्थात् फैब्रिक के एक और या दोनों और प्राकृतिक स्टार्च का लगाया जाना; (4) बैंक फिलिंग, अर्थात् फैब्रिक के एक और स्टाच का लगाया जाना; (5) रनाई (क्रोपिंग) अर्थात् फैब्रिक से खुले सिरों को यांत्रिक रूप से कर्तन कर दूर करना; (6) जल निष्कर्षण, अर्थात् फैब्रिक से जल का यांत्रिक रूप से निष्कर्षित किया जाना या यांत्रिक रूप से निचोड़ा जाना, या (7) एक्रेलिक फाइबर के व्यूतित फैब्रिक के संबंध में की गई धमन (वाष्प दाब) प्रक्रिया परंतु ऐसे वस्त्र पर विरंजित करने, रंगाई या छपाई की प्रक्रियाओं में से कोई एक या एक से अधिक प्रक्रियाएं शक्ति या वाष्प की सहायता से न की गई हों।	8 प्रतिशत	कुछ नहीं
48	51.10 या 51.11	उन की व्यूतित फैब्रिक जब उसके संबंध में निम्नलिखित कोई या अधिक प्रक्रियाएं की जानी हैं, अर्थात्— (क) प्लेन रोलरों से कलेंडरण; या (ख) धमन (स्टीम प्रेसिंग) परंतु ऐसे वस्त्र पर विरंजित करने, रंगाई या छपाई की प्रक्रियाओं में से कोई एक या एक से अधिक प्रक्रियाएं शक्ति या वाष्प की सहायता से न की गई हों।	8 प्रतिशत	कुछ नहीं
49	59	इंटर लाइनिंग फैब्रिक	10 प्रतिशत	कुछ नहीं
50	61 या 62	कपड़े या कपड़ा उपसाधन जिस पर खरीद के बाद निम्नलिखित एक या अधिक प्रक्रियाएं, ब्रांड नाम या व्यापार नाम लगाने से भिन्न, की गई हों अर्थात्— (1) लेबल लगाना या पुनः लेबल लगाना, जैसा कि, मूल्य सूचक लगाना, बेचने वाले व्यक्ति का नाम या इस्तेमाल	कुछ नहीं	-

		<p>के निर्देश लगाना;</p> <p>(2) बल्कि ऐक से खुदरा ऐक में पुनः पैकिंग करना;</p> <p>(3) संशोधन करना; या</p> <p>(4) अन्य कोई प्रक्रिया जो माल को बदलने योग्य बनाएं स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए -</p> <p>“ब्रांड नाम” या “व्यापार नाम” से वह ब्रांड नाम या व्यापार नाम, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या, नहीं अर्थात् एक नाम या कोई चिह्न जैसे प्रतीक, मोनोप्रेश्न, लेबल, हस्ताक्षर या आविष्कृत शब्द या लेखन वा ऐसे विनिर्दिष्ट माल के संबंध में ऐसे विनिर्दिष्ट माल पर और जैसे माल या चिह्न का उपयोग करने वाले व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के पहचान के किसी उपदर्शन के साथ या उसके बिना या व्यापार के अनुक्रम में संबंध दर्शित करने के प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है या उसका इस प्रकार उपयोग किया जाता है कि जिससे कि वह उसे उपदर्शित करे अभिप्रेत है।</p>		
--	--	--	--	--

[फा० सं० बी-3/5/2003-टी आर यू]
वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

टिप्पण :- (1) मूल अधिसूचना सं० 7 /2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II , खंड 3, उपखंड (i) में सा० का० नि० 137 (अ), तारीख 1 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित हुई थी, और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 31/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 अप्रैल, 2003 [सा०का०नि० 290 (अ) तारीख 1 अप्रैल, 2003] द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 38/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 367(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance and Company Affairs (Department of Revenue) No. 7/2003- Central Excise, dated 1st March, 2003, namely,-

In the said notification, in Table, after S. No. 45 and entries relating thereto, the following S. Nos. and entries shall be inserted, namely,-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
“46.	52.07, 52.08 or 52.09	The following goods, namely:- (a) Woven fabric of cotton not containing any other textile material; (b) Other woven fabrics of cotton; when subjected to any one or more of the following processes, namely:-	5% 8%	Nil Nil

1	2	3	4	5
		<p>(1) Calendering (other than calendering with grooved rollers);</p> <p>(2) Flanellette raising;</p> <p>(3) Stentering;</p> <p>(4) Damping on grey and bleached sorts;</p> <p>(5) Back filling on gray and bleached sorts;</p> <p>(6) Singeing, that is to say, burning away of knots and loose ends in the fabrics;</p> <p>(7) Scouring, that is to say, removing yarn size and natural oil found in cotton;</p> <p>(8) Cropping and butt cutting;</p> <p>(9) Curing or heat setting;</p> <p>(10) Padding, that is to say, applying starch or fatty material on one or both side of fabric;</p> <p>(11) Expanding; or</p> <p>(12) Hydro extraction with the aid of power, that is to say, mechanical extracting or mechanical squeezing out water from fabric:</p> <p>Provided that process of bleaching, dyeing or printing or any one or more of these processes have been carried out on such fabrics without the aid of power or steam.</p> <p><i>Explanation.-</i> For the purposes of the woven fabrics of cotton, calendering shall include processing of cotton fabrics with the aid of zero-zero machine without a stenter attachment.</p>		
47.	51.10 or 51.11	<p>Woven fabrics of wool when subjected to any one or more of following processes, namely:-</p> <p>(a) Calendering with plain rollers;</p> <p>(b) Blowing (steam pressing):</p> <p>Provided that process of bleaching, dyeing or printing or any one or more of these processes are carried out on such fabrics without the aid of power or steam.</p>	8%	Nil
48.	54 or 55	<p>Woven fabrics of man made fibres subjected to any one or more of the following processes, namely:-</p> <p>(1) Calendering with plain rollers;</p> <p>(2) Singeing, that is to say, burning away knots and loose ends in fabrics;</p> <p>(3) Padding, that is to say, application of natural starch to one or both sides of fabrics;</p> <p>(4) Back filling, that is to say, application of starch to one side of the fabrics;</p> <p>(5) Cropping, that is to say, cutting away mechanically of loose ends from the fabrics;</p> <p>(6) Hydro-extraction, that is to say, mechanically squeezing out water from the fabrics; or</p> <p>(7) The process of blowing (steam pressing) carried on woven fabrics of acrylic fibre:</p> <p>Provided that process of bleaching, dyeing or printing or any one or more of these processes are carried out on such fabrics without the aid of power or steam.</p>	8%	Nil
49	59	Interlining fabrics	10%	Nil

1	2	3	4	5
50	61 or 62	<p>Article of apparel or clothing accessories when subjected to any one or more of the following processes, other than the process of affixing a brand name or trade name, subsequent to purchase, namely:-</p> <p>(1) labeling or relabeling, that is to say, attaching or affixing price tag, name of seller of such goods or instruction regarding usage;</p> <p>(2) repacking from bulk packs to retail packs;</p> <p>(3) alteration; or</p> <p>(4) any other process to make the product marketable.</p> <p><i>Explanation.-</i> For the purposes of this notification, "brand name" or "trade name" means a brand name or a trade name, whether registered or not, that is to say, a name or a mark, such as symbol, monogram; label, signature or invented word or writing which is used in relation to such specified goods for the purpose of indicating, or so as to indicate a connection in the course of trade between such specified goods and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person.</p>	Nil	

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Footnote:- The notification No. 7/2003-Central Excise, dated the 1st March, 2003 was published in the gazette of India vide number G.S.R. 137 (E), dated the 1st March, 2003 and was amended vide notification No. 31/2003-Central Excise, dated the 1st April, 2003 (G.S.R. No. 290 (E), dated the 1st April, 2003).

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 67/2003-सीमा शुल्क

सा०का०नि० 368(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 21/2002-सीमा शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में,—

(i) सारणी में,—

(क) इस सं. 373 के सामने स्तंभ (2) में की प्रविष्टि के स्थान पर “90 या कोई अन्य अध्याय” प्रविष्टि रखी जाएगी ;

(ख) क्रम सं. 426 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
“426क.	84 या 85	टेक्सटाइल उद्योग में उपयोग के लिए निम्नलिखित मशीनरी या उपस्कर, अर्थात् :- (1) टूफोर-वन/थ्री फोर-वन ट्रीस्टर्स; (2) हैंक टू बोबिन के लिए वेक्यूम आटोक्लेव और रिवाइंडिंग मशीन ; (3) विनिर्माण के लिए पुर्जे या ऊपर (1) या (2) में विनिर्दिष्ट मशीनरी या उपस्कर के रखरखाव के लिए अपेक्षित फालतू पुर्जे ।	10 % 10% 10%	— — —	— — —	— — 5”;

(ग) क्रम सं. 433 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
“434.	1511 90 10 या 1511 90 20	सभी माल	70%	—	—
435.	5102	सभी माल	5%	—	—
436.	5301	सभी माल	5%	—	—
437.	6310	सभी माल	5%	—	—

(ii) सूचियों में,—

(क) सूची 32 की मद (2) में “टू फोर-वन/थ्री फोर-वन ट्रीस्टर्स, हैंक टू बोबिन के
लिए वेक्यूम आटोक्लेव और रिवाइंडिंग मशीन” शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ख) सूची 45 के स्थान पर निम्नलिखित सूची रखी जाएगी, अर्थात् :-

“सूची 45 (सारणी का क्रम सं. 425 देखिए)

मानव निर्मित फाइबर और सूत उद्योग के लिए टेक्सटाइल मशीनरी

(1) लगातार बहुलकीकरण संयंत्र के लिए मशीनरी

(क) बहुलकीकारक उपस्कर, जिसके अंतर्गत एस्ट्रीकरण रिएक्टर भी है, वाष्प
पृथक्कित्र, बहुलकीकरण पूर्व रिएक्टर, बहुलकीकरण रिएक्टर, स्थिर मिश्रक,
पालीमर पम्प और स्वचालित चिपिंग प्रणाली ;

(ख) पंक और संयोजी निर्मिति प्रणाली, जिसके अंतर्गत निर्मिति इकाई भी है ;

- (ग) एचटीएम (ताप अंतरण माध्यम) और तापन प्रणाली ;
- (घ) पीटीए संवाहक प्रणाली, जिसके अंतर्गत आधान उत्तराई प्लेटफार्म और रोटरी फीडर भी है ;
- (ङ) पॉलीमर अंतरण लाइन उपस्कर, जिसके अंतर्गत पोलीमर शीतक और जैकेट लगे पॉलीमर पम्प भी हैं ;
- (च) ठोस स्थिति बहुलकीकरण उपस्कर, जिसके अंतर्गत पूर्व क्रिस्टलाइजर, क्रिस्टलाइजर और रोटरी फीडर भी हैं ;
- (छ) प्रक्रिया नियंत्रण उपस्कर, जिसके अंतर्गत श्यानता मापी उपस्कर भी है (श्यानता मापी) और संवितरित नियंत्रण प्रणाली ;
- (ज) अणु अवशोषी स्पेक्ट्रम मापी, एक्सरे प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रम मापी ;
- (झ) एक्सट्रैक्शन टावर उपसाधित्र सहित जैसे सेंट्रीफ्युगल डिहाइड्रेटर और ब्लोअर ;
- (ञ) चिप संवाहक प्रणाली और साधित्र जैसे ब्लोअर्स, फिल्टर्स और रोटरी तथा स्क्रू फीडर्स ;
- (ठ) ठोस स्थिति बहुलकीकरण प्रणाली जिसके अंतर्गत ब्लोअर्स और नाइट्रोजन संयंत्र भी है ;
- (ठ) कारपोलेक्टम के लिए क्रशिंग और मेल्टिंग प्रणाली ;
- (ड) वी.के. ट्यूब ;
- (ढ) स्क्रू फीडर ;
- (ण) सेंट्रीफ्युगल डिहाइड्रेटर ;
- (त) ड्राइंग टावर ;
- (थ) सरकुलेटिंग ब्लोअर ;
- (द) ईधन तेल ब्लोअर ;

(2) पालिएस्टर स्टेपेल फाइबर संयंत्र के लिए मशीनरी :

- (क) बुनाई उपस्कर, जिसके अंतर्गत बहुविध बुनाई बीमे, तापन पूर्व भट्टी और परिरूपित एप्लीकेटर भी हैं;
- (ख) पोलीमर ट्रांसफर लाइन जिसके अंतर्गत एक्सटूडर रंग मिश्रक और लगातार पोलीमर फिल्टर(सीपीएफ) भी है ;
- (ग) ड्रा ऑफ उपस्कर, जिसके अंतर्गत टेकअप उपस्कर धागा कर्तक और एस्पीरेटर स्पिन डिफेक्ट डिटेक्टर, ड्रा ऑफ यूनिट, टाऊ दर्शी उपस्कर, लेसअप या सक्षानगन और टाऊ सक्षान इकाई ;
- (घ) ड्रा लाइन (फाइबर लाइन), जिसके अंतर्गत क्रील, टाऊ गाइड स्टैण्ड, ड्रा फ्रेम, ड्राविंग बाथ, तापसेट कैलेप्डर/थार्मोसेटिंग/एनिलर यूनिट, टाऊ संयोजक, ड्रा ऑफ यूनिट, टेंसियोमीटर रोल, स्टीम बाक्स, क्रिस्पिंग मशीन, स्प्रे बाक्स, टाऊ गाइड प्रणाली, केबिल ड्रायर, टाऊ कटर और पेषण मशीन और टाऊ कटर रील भी हैं ;
- (ङ) चल जलीय बेलिंग प्रेस, स्ट्रैपिंग मशीन, डाक लेवलर और स्वचालित बेल हैंडलिंग उपस्कर ;

(च) प्रक्रिया नियंत्रण उपस्कर जिसके अंतर्गत परिशुद्धता एनिमोमीटर, थर्मो हाइड्रोग्राफ, एस्पीरेशन, साइक्रोमीटर, अल्ट्रासोनिक सफाई यूनिट, स्पिननरेट निरीक्षण प्रणाली, अवरक्त पाइरोमीटर, प्रकाशिक ताप मापन उकरण ;

(छ) फाइबर परीक्षण के लिए टेक्सटाइल प्रयोगशाला उपस्कर, जिसके अंतर्गत फैब्रिलेट, फैफेग्राफ एचआर, कोरिंग मशीन, स्टीरियो सूक्ष्मदर्शी, क्रिस्पर परीक्षक, फाइबर सिकुड़न परीक्षक, अपवर्तनांकमापी, चालकता मापी भी हैं ;

(3) पालिएस्टर फिलामेंट सूत संयंत्र के लिए मशीनरी :

- (क) बुनाई उपस्कर, जिसके अंतर्गत बहुविधि, बुनाई बीमें और तापन पूर्व भृटियां भी हैं;
- (ख) पॉलीमर अंतरण लाइन, जिसके अंतर्गत उत्सारित्र, रंग मिश्रक और लगातार पॉलीमर फिल्टर (सीपीए) भी हैं ;
- (ग) टेकअप उपस्कर जिसके अंतर्गत टेकअप फ्रेम, तेल उपयोजन यूनिट, गाडेट रोलर, यार्न गाइड, धागा कर्तक और एस्पीरेटर लेसअप/सक्षानगन, टेकअप और झाविन्डर भी हैं;
- (घ) पैकिंग और स्वचालन उपस्कर जिसके अंतर्गत स्वचालित डाफर, स्वचालित बाबिन भंडारण और हैण्डलिंग प्रणाली है ;
- (ङ) ड्राटिकस्वराजिंग मशीन, जिसके अंतर्गत क्रील, इंटरमिंगलिंग जेट, सिरेमिक गाइड, डाफर भी हैं ;
- (च) सूत परीक्षण के लिए टेक्सटाइल प्रयोगशाला उपस्कर, जिसके अंतर्गत स्वचालित टैंशाइल परीक्षक, प्रोजेक्शन सूक्ष्मदर्शी, डेनियर स्किनरील, उलझन परीक्षक, डेनियर आटोकार्डंट, डाइनाफिल, अस्टर परीक्षक, ऑनलाइन परिरूपण जांच उपस्कर भी हैं ।

(4) संश्लिष्ट फाइबर/ सूत उद्योग के लिए अन्य पूँजी सामान :

- (क) स्पिन झा वाइंडिंग मशीन;
- (ख) स्पिनडल्स ;
- (ग) यार्न गाइड ;
- (घ) पीएसएम रिंग ;
- (ङ) बेलोन नियंत्रण रिंग ;
- (च) ट्रेवलर्स ;
- (छ) एक्सट्रूडर्स;
- (ज) एक्सट्रूडर्स ब्रेकर :
- (झ) ऑन लाइन फिलामेन्टेशन डिटेक्टर;

(5) नियंत्रित /एचडब्ल्यू एम इयान स्टेपल फाइबर संयंत्र के लिए मशीनरी :

- (क) सिन्टरित फाइलर मीडिया
- (ख) स्वचालित उच्च गति अपकेंद्रीय पृथकित्र
- (ग) फाइबर उत्पादन लाइन
- (घ) फाइबर कर्तक
- (ङ) फाइबर शुष्कक
- (च) वातिल फाइबर फीडर

- (छ) बैलिंग प्रैस
- (ज) प्लेट हीट एक्सचेंजर
- (झ) ग्रेफाइट हीट एक्सचेंजर
- (ञ) नेनो फ्लॉशन संयंत्र

(6) लिओसेल फाइबर संयंत्र के लिए मशीनरी :

- (क) उच्च स्थानता को हथालने वाले उपस्कर जिसमें पत्तर भी है।
- (ख) सेलुलोज़ विघटन के लिए रिएक्टर
- (ग) साधित्रों सहित पतली परत वाले उद्वाष्पक
- (घ) कताई मोडुल्स
- (ঙ) वायु छोड़ने वाला तंत्र और सहबद्ध नियंत्रण तंत्र
- (চ) फाइबर धोवन और अभिक्रिया मशीनें
- (ছ) बैलिंग प्रैस

(7) मानव नियंत्रित कृत्रिम सलुलासक फाइबर / सूत उद्योग के लिए प्रक्रिया और स्वालिटी नियंत्रण उपस्कर

- (क) रोबोटिक फाइबर सेम्पलर
- (ख) फाइबर रजंक भूल्याकन के लिए स्पट्रो फोटोमीटर
- (ग) स्वचालित आमेलन स्पक्ट्रो फोटोमीटर
- (घ) एक्सरे फ्लोरोसेंस स्पक्ट्रो मीटर
- (ঙ) स्वचालित आयल पिकअप एनेलाइंजर
- (চ) स्वचालित टाइट्रेटर
- (ছ) डिनायर लगिष्णुता एलोगनेटन कताई त्रुटि, फाइबर इमेजिंग तंत्र वाले यू.वी. वाल्व और माइक्रोस्कोप जैसी फाइबर विशेषताओं के परीक्षण के लिए टेक्सटाइल प्रयोगशाला उपस्कर

(8) नियमित / एच.डब्ल्यू.एम. से अव्यूतित के उत्पादन के लिए मशीनरी

बेल्लित सामान नियमिति / पैंकिंग तक अव्यूतित कात कर बांधे गए (हाइड्रो-इनटेंगल्ड) के लिए संपूर्ण उत्पादन लाइनें

(9) लिओसेल आधारित अव्यूतित के लिए मशीनरी

- (क) स्पन बांडिंग और मेल्ट बलोइंग हेड्स तथा ग्रहण संवाहक
- (ख) पश्च अभिक्रिया लाइन ड्रायर और बेल्लित सामान नियमिति / पैंकिंग उपस्कर
- (ग) कातकर बांधे हुए (हाइड्रो-एनटेंगल्ड) अव्यूतित के लिए संपूर्ण उत्पादन लाइन

(10) स्थान रेयन फिलामेंट या सूत / रेयन टायर सूत के लिए मशीनरी

- (क) दोहरे रोल्स प्रैस
- (ख) एंजिंग ड्रम हापर

(ग) सार सेलुलोज़ परिवहन तंत्र के लिए ब्लोवर्स और पंखें
 (घ) स्लारी पंप जिसमें वी.एफ.डी. भी हैं
 (ङ) स्वचालित पल्प हैंडलिंग तंत्र
 (च) सिम्पलेक्स / चर्न
 (छ) प्लेट और फ्रेम फिल्टर प्रैस
 (ज) स्थान पंप (गियर / पेच पंप जिसमें वी.एफ.डी. भी है)
 (झ) उद्वाष्पक
 (ञ) हीट एक्सचेंजर - हस्टोलो प्लेट / फ्रेम टाइप
 (ट) क्रिस्टीलाइजर
 (ठ) निर्वात तंत्र इजेक्टर, बूस्टर, निर्वात पंप और निर्वात फिल्टर
 (ड) आटो बैरिंग और तोलन तंत्र
 (ढ) बालू फिल्टर
 (ण) अपक्रोंदीय पंप जिसमें वी.एफ.डी. भी है
 (त) पाट कताई मशीन
 (थ) कताई पाट और पाट मोबर
 (द) स्थान के लिए भीटरिंग गियर पंप
 (ध) स्वचालित केक लपेटन तंत्र
 (न) सूत की गांठ लगाने के लिए वायु स्प्लाईसर
 (प) कोन तोलन और कोन डाकिंग के लिए स्वचालन
 (फ) आटो कोन पैकिंग तथा पलेटाइजिंग
 (ब) कार्बनडाइसलफाइड (सीएस 2), हाइड्रोजन सल्फाइड (एच 2 एस), सल्फरडाइआक्साइड (एस ओ 2) के लिए गैस मानीहरू जैसी पर्यावरण मानीटरिंग
 (भ) बीओडी और सीओडी मानीटर्स
 (य) सूत परीक्षण अर्थात् यूनिवर्सल कंप्यूटरीकृत स्वचालित टेन्साइल टेस्टर और डिनायर टेस्टर के लिए टेक्सटाइल प्रयोगशाला उपस्कर
 (व) गैस क्रोमेटोग्राफी और पुंज स्पेक्ट्रोमीटर ।”;
 (ग) सूची 46 में, (i) मद ग में, उपमद (10) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्
 “(11) ट्रिवस्टिंग मशीन
 (12) ट्रिवस्टिंग मशीनों के लिए सामग्री हस्तन तंत्र
 (13) मोडने वाली मशीन के लिए आंकड़े एकत्रित करने का तंत्र
 (14) केवल कोडर स्पिन्डल मोटर के लिए संतुलितकारी उपस्कर

- (15) शटल रहित करघा
- (16) व्यूतन मशीनों के लिए रिट
- (17) ताना त्रुटि खोजने का तंत्र
- (18) एयरजेट व्यूतन मशीनों के लिए पुर्जे
- (19) प्रोजेक्ट टाइल व्यूतन मशीनों के लिए पुर्जे
- (20) रेपियर व्यूतन मशीनों के लिए पुर्जे
- (21) ताना गांठ लगाने संबंधी तंत्र
- (22) व्यूतन मशीन के लिए ग्रहण तंत्र
- (23) व्यूतन मशीनों के लिए क्रील
- (24) क्रीलों के लिए पैकेज परिवर्तन तंत्र
- (25) प्रक्रिया नियंत्रण उपस्कर अर्थात् टेन्शन मीटर, आन लाइन डिनायर चैकिंग सिस्टम, आन लाइन ट्रूविस्ट चैकिंग सिस्टम, आन लाइन इडीएस मानीटरिंग सिस्टम, फिलामेन्टेशन डिटेक्टर, फल्फ डिटेक्टर, स्वचालित फैब्रिक नियंत्रण तंत्र, टेकोमीटर
- (26) भंडारण और परिवहन तंत्र अर्थात् स्वचालित फैब्रिक परिवहन तंत्र, स्वचालित फैब्रिक पैकिंग तंत्र,
- (27) परिसज्जा मशीनें अर्थात् टायर नलिका/ऑटोगिक फैब्रिक्स के लिए निमज्जन मशीन, बैटिंग डक के लिए विलेपन मशीन, निमज्जन मशीन, तकनीकी टेक्सटाइलों के लिए स्टैंटर, निमज्जन तथा विलेपन यूनिटों के लिए समुद्भरण रोलर, पुर्जे और साधित्र, संचयक के लिए हाइड्रोलिक नियंत्रण, खिचाव बेलन तंत्र के लिए गतिशील ब्रेकिंग, डि-वेबर तंत्र, नियंत्रकों सहित बर्नर
- (28) परीक्षण उपस्कर अर्थात् टेन्साइल परीक्षक, थर्मल सिकुड़न परीक्षक, ट्रिवस्टर परीक्षक, "फैटाग परीक्षक";
- (घ) मद (ग) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(घ) ऊनी मशीनरी भदें अर्थात् :—

 - (1) स्वचालित हार्पर फीडर
 - (2) ग्रीसी ऊन ओपनर
 - (3) टॉ-टू टॉप संपरिवर्तक
 - (4) स्वचालित/अर्ध स्वचालित पंपप्रेस
 - (5) 50 मिमी रिंग या रिंग फ्रेम या इससे नीचे के पएलसी/कंप्यूटर नियंत्रित रिंग फ्रेम
 - (6) पीएलसी/कंप्यूटर नियंत्रक समंज्जन वाइंडिंग मशीन
 - (7) पीएलसी/कंप्यूटर नियंत्रित टू-फार ट्रिवस्टर/थ्री फार वन ट्रिवस्टर
 - (8) लाइक्रा सूत के लिए ट्रिवस्टिंग/आवरण मशीन
 - (9) हील्ड, रीड और छाप तारों के लिए स्वचालित साफ करने वाली मशीन

- (10) साज उठाने वाली इंतजाम रहित इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रॉनिक/मोटरीकृत बीम ट्राली
- (11) खुली चौड़ाई वाली स्कोरिंग मशीन/रज्यु स्कोरिंग मशीन
- (12) फैब्रिक कंडीशनिंग के लिए आड्रक
- (13) स्वचालित वेप्ट स्ट्रेटनर
- (14) शियरिंग मशीन
- (15) निरंतर क्रेविंग मशीन
- (16) ऊनी रिंग फ्रेम
- (17) फाइबर/सूत/फैब्रिक परीक्षण उपस्कर अर्थात् फ़ाइबरसे बीठर, समतलता परीक्षक, प्रकाश तीव्रता परीक्षक, प्रबलता परीक्षक, लंबाई मापन परीक्षक, क्रीज बनाने वाला परीक्षक, प्रक्षेपण सूक्ष्मदर्शी, संचयीकरण तथा घर्षण परीक्षक, ऐच किए गए सेडों के तत्काल संप्रेषण के लिए रंजक तुलक, सूत घर्षण तथा रोएंदाइ मीटर तथा सीम स्लिपेज परीक्षक,
- (18) चिथड़े फाझने वाली मशीन
- (19) फाइबर खोलने तथा मिश्रण करने वाली मशीन
- (20) स्वक्रिया कराई फ्रेम
- (21) उत्थापक मशीन

(अ.) शटल रहित कशधा के साथ प्रयोग के लिए मशीनशे अर्थात् इलेक्ट्रॉनिक डॉबी और जैक्कार्ड ।”।

[फा० सं० बी-३/५/२००३-टी आर यू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

टिप्पण :—मूल अधिसूचना सं. 21/2002-सीमा शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 118 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002, द्वारा प्रकाशित हुआ था और उसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 66/2003-सीमा शुल्क, तारीख 4 अप्रैल, 2003 [सा.का.नि. 294 (अ), तारीख 4 अप्रैल 2003] द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 67/2003-CUSTOMS

G.S.R. 368(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, namely:-

(i) In the said notification,-
 In the Table,-
 (a) against S.No. 373, for the entry in column (2), the entry "90 or any other Chapter" shall be substituted;

(b) against S.No. 396, in column (3), in item (B).
 (A) in sub-item (iii), the word "and" shall be omitted;
 (B) after sub-item (iv), the following shall be inserted namely:-
 "(v) decorative transfer films falling under heading No. 3920; and
 (vi) dyestuffs falling under heading No. 3204"

(c) after S.No. 426 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"426A.	84 or 85	The following machinery or equipment for use in textile industry, namely:- (1) Two-for-one/three-for-one twisters; (2) Vacuum autoclave and rewinding machine for bobbin to hank; (3) Parts for manufacture or spare parts required for the maintenance of the machinery or equipment specified at (1) or (2) above.	10%	-	-
			10%	-	-
			10%	-	"S";

(d) after S.No. 433 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"434.	1511 90 10 or 1511 90 20	All goods	70%	-	-
435.	5102	All goods	5%	-	-
436.	5301	All goods	5%	-	-
437.	6310	All goods	5%	-	-

(ii) in the Lists,-

(a) in List 32, in item (2), the words "two-for-one/three-for-one twisters, vacuum autoclave and rewinding machine for bobbin to hank" shall be omitted;
 (b) for List 45, the following List shall be substituted, namely:-

List 45 (See S. No. 425 of the Table)

Textile machinery for man-made fibre and yarn industry:-

(1) Machinery for continuous polymerization plant:

- (a) Polymerizing equipment, including esterification reactor, vapor separator, pre-polymerization reactor, polymerization reactor, static mixers, polymer pumps and automatic chipping system;
- (b) Slurry and additive preparation system, including preparation unit;
- (c) HTM (Heat Transfer Medium) and heating system;
- (d) PTA conveying system, including container unloading platform and rotary feeders;
- (e) Polymer transfer line equipment, including polymer coolers and jacketed polymer pumps;
- (f) Solid state polymerization equipment, including pre-crystalliser, crystalliser and rotary feeders;
- (g) Process control equipment, including viscosity measuring equipment (Viscometer) and, Distributed control system;
- (h) Atomic absorption spectrometer, X-ray fluorescence spectrometer;
- (i) Extraction tower with accessories like centrifugal dehydrator and blower;
- (j) Chip conveying system and accessories like blowers, filters and rotary and screw feeders;
- (k) Solid State polymerization system including blowers and nitrogen plant;
- (l) Crushing and melting system for caprolactum;
- (m) V.K. Tube;
- (n) Screw Feeder;
- (o) Centrifugal dehydrator;
- (p) Drying Tower;
- (q) Circulating Blower;
- (r) Fuel Oil Bowler;

(2) Machinery for polyester staple fiber plant:

- (a) Spinning equipment, including manifold spinning beams, pre-heating ovens and finish applicators;
- (b) Polymer transfer line, including extruder, color blender and continuous polymer filter (CPF);
- (c) Draw-off equipment, including take-up equipment, thread cutters and aspirators, spin defect detectors, draw off unit, tow guide equipment, lace-up or suction gun and tow suction unit;
- (d) Draw line (Fibre line), including creel, tow guide stand, draw frames, drawing bath, heat set calender/thermosetting/annealer unit, tow assembler, draw-off unit, tensiometer roll, steam box, crimping machine, spray box, tow guide system, cable dryer, tow cutter and grinding machine and tow cutter reels;
- (e) Hydraulic baling press, strapping machine, dock levelers and automatic bale handling equipment;
- (f) Process control equipment, including precision anemometer, thermo-hygrometer, aspiration psychrometer, ultrasonic cleaning unit, spinneret inspection system, infrared pyrometer, optical temperature measuring instrument;
- (g) Textile laboratory equipment for fibre testing, including favimat, safegraph HR, coring machine, stereo microscope, crimper tester, fibre shrinkage tester, refractometer, conductivity meter;

(3) Machinery for polyester filament yarn plant:

- (a) Spinning equipment, including manifold, spinning beams and pre-heating ovens;
- (b) Polymer transfer line, including extruder, color blender and continuous polymer filter (CPF);
- (c) Take-up equipment, including take-up frames, oil application unit, godet rollers, yarn guides, thread cutters and aspirators, lace-up/suction gun, take-up and draw winders;
- (d) Packing and automation equipment, including automatic doffers, automatic bobbin storage and handling system;
- (e) Draw texturising machine, including creel, intermingling jets, ceramic guides, doffers;
- (f) Textile laboratory equipment for yarn testing, including automatic tensile tester, projection microscope, denier skein reel, entanglement tester, denier auto count, dynafil, uster tester, online finish checking instrument.

(4) Other capital goods for synthetic fibre/yarn industry:

- (a) Spin draw winding machine;
- (b) Spindles;
- (c) Yarn guides;
- (d) PSM Rings;
- (e) Ballon Control Rings;
- (f) Travellers;
- (g) Extruders;
- (h) Extruder barrel;
- (i) Online filamentation detector;

(5) Machinery for Regular/HWM Viscose Staple Fibre Plant:

- (a) Sintered Filer Media;
- (b) Automatic High Speed centrifugal separator;
- (c) Fibre production lines;
- (d) Fibre Cutter;
- (e) Fibre Dryer;
- (f) Pneumatic Fiber Fiddlers;
- (g) Baling Press;
- (h) Plate Heat exchanger;
- (i) Graphite heat exchanger;
- (j) Neno filtration plant;

(6) Machinery for Lyocell Fiber Plant:

- (a) High viscosity handling equipment including pulper;
- (b) Reactor for cellulose dissolution;
- (c) Thin film evaporator with accessories;
- (d) Spinning module;
- (e) Air quenching systems and associated control systems;
- (f) Fiber washing and treatment machines;
- (g) Baling Press;

(7) Process and quality control equipment for artificial man-made cellulosic fibre/yarn industry:

- (a) Robotic Fiber sampler;
- (b) Spectrophotometers for fiber color evaluation;
- (c) Automatic absorption spectrophotometer;
- (d) X-ray phloroscence spectrometer;
- (e) Automated oil pick up analyzer;
- (f) Automated titrator;
- (g) Textile laboratory equipment for testing of fiber properties such as denier, tenacity, elongation, spinning fault, UV value and microscope with fibre imaging system;

(8) Machinery for production of Non-Woven from Regular/ HWM Fibre: Complete production-lines for spun-laced (hydro-entangled) nonwovens upto rolled-goods preparation/packing;

(9) Machinery for Lyocell based Non-Wovens:

- (a) Spun bonding and melt blowing heads and take up conveyers;
- (b) After treatment lines, dryers and rolled goods preparation / packing equipment;
- (c) Complete production lines for spun laced (hydro entangled) non-wovens;

(10) Machinery for Viscose Rayon Filament Yarn/ Rayon Tyre Yarn:

- (a) Twin rolls press;
- (b) Ageing Drum Hopper;
- (c) Blowers and Fans for Alkali Cellulose Transport system;
- (d) Slurry Pumps including VFDs;
- (e) Automatic Pulp handling system;
- (f) Simplex/Chum;
- (g) Plate and Frame Filter Press;
- (h) Viscose Pumps (Gear/Screw Pumps including VFDs);
- (i) Evaporator;
- (j) Heat Exchanger- Hastalloy Plate and Frame Type;
- (k) Crystallizer;
- (l) Vacuum System - Ejectors, Boosters, Vacuum Pump and Vacuum Filter;
- (m) Auto bagging and weighing system;
- (n) Sand Filters;
- (o) Centrifugal Pumps including VFDs;
- (p) Pot Spinning Machine;
- (q) Spinning Pots and Pot Motors;
- (r) Metering Gear Pumps for Viscose;
- (s) Automatic cake wrapping system;
- (t) Air Splicer for Knotting Yarn;
- (u) Automation for Cone Weighing and Cone Doffing;
- (v) Auto Cone Packing and Palletizing;
- (w) Environment Monitoring like Gas Monitors for Carbon-di-Sulfide (CS₂), Hydrogen Sulfide (H₂S) Sulfur Dioxide (SO₂);
- (x) BOD and COD Monitors;
- (y) Textile Laboratory Equipment for Yarn testing namely, Universal Computerised automatic Tensile Tester and Denier Tester;
- (z) Gas Chromatography and Mass Spectrometer.”;

(c) in List 46,-

(i) in item (C), after sub-item (10 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

- “(11) Twisting Machines
- (12) Material Handling system for Twisting Machines
- (13) Data capture system for Twisting Machines
- (14) Balancing Equipment for Cable Corder Spindle Motors
- (15) Shuttle-less looms
- (16) Reeds for weaving machines
- (17) Warp defects detection system
- (18) Parts for Airjet weaving machines
- (19) Parts for projectile weaving machines
- (20) Parts for Rapier weaving machines

- (21) Warp knotting system
- (22) Take up system for weaving machine
- (23) Creels for weaving machines
- (24) Package change system for creels
- (25) Process control equipment namely, Tension meters, On-line denier checking system, On-line twist checking system, On-line EDS monitoring system, Filamentation detector, Fluff Detector, Automatic Fabric Inspection System, Tacho-meters
- (26) Storage and Transport systems namely, Automated fabric transport system and Automated fabric packing system
- (27) Finishing Machines namely, Dipping Machine for Tyre Cord/industrial Fabrics, Coating Machines, Dipping Machine for beting duck, Stenter for Technical Textiles, Embossing Rollers, Parts and Accessories for Dip and coating units, Hydraulic Control for Accumulator, Dynamic Braking for Pull Rolls System, De-webber system, Burners with Controllers
- (28) Testing equipment, namely, Tensile Tester, Thermal Shrinkage Tester, Twist Tester, Fatigue Tester";

(II) after item (C) and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

"(D) Woollen machinery items, namely:-

- (1) Automatic Hopper Feeder
- (2) Greasy Wool Opener
- (3) Tow-to-Top Converter
- (4) Automatic/Semi-Automatic Pump Press
- (5) Ring frame with 50 mm Ring or below PLC/Computer controlled
- (6) PLC/ Computer Controller Assembly Winding machine
- (7) PLC/ Computer controlled Two- for Twister/Three-for-one Twister
- (8) Twisting /covering machine for Lycra Yarn
- (9) Automatic cleaning machine for Heald, Reeds and drop wires.
- (10) Electric/ Electronic/ motorized beam trolley with Harness lifting arrangement.
- (11) Open Width scouring machine/Rope scouring machine
- (12) Damping unit for fabric conditioning
- (13) Automatic Weft straightener
- (14) Shearing machine
- (15) Continuous crabbing machine
- (16) Woollen ring frame
- (17) Fibre/Yarn/Fabric testing equipment namely, Fineness meter, Evenness Tester, Light Fastness Tester, Strength Tester, Length Measurement Tester, Crease Recovery Tester, Projection Microscope, Pilling and Abrasion Tester, Colour Comparator for instant observation of matched shades, Yarn friction and Hairiness meter and Seam Slippage Tester.
- (18) Rag tearing machine
- (19) Fibre opening and blending machine
- (20) Self Acting spinning frame
- (21) Raising machine

(E) Machinery for use with shuttleless looms, namely, electronic dobby and jacquard.".

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Note:—The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002 [G.S.R. 118(E), dated the 1st March, 2002] and was last amended vide notification No. 66/2003-Customs, dated the 4th April, 2003 [G.S.R. 294 (E), dated the 4th April, 2003].

12256910x

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 68/2003-सीमा शुल्क

सांकेति० 365(अ)— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैशिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3क की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है और ऐसे ही माल पर भारत में उनके विक्रय या क्रय के समय तत्समय उद्ग्रहणीय अधिकतम विक्रय कर, रथानीय कर या किन्हीं अन्य प्रभारों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 23/2002-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 में, जो भारत के राजपत्र में सांकेति० 120(अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित की गई थी, निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,-

(i) पहले परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

‘परंतु यह और कि क्रम सं० 8क, 41क और 41ख के लिए निर्दिष्ट माल पर “कुछ नहीं” दर, इस शर्त पर लागू होगी कि आयातकर्ता सीमाशुल्क (उत्पाद शुल्क) माल के विनिर्माण के लिए शुल्क की छूट सहित दर पर माल का आयात नियम, 1998 के निर्दिष्ट विधि का पालन करता है।’

(ii) सारणी में,-

(क) क्रम सं० 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1)		(3)	(4)
5क.	1511 90 10 या 1511 90 20	सभी माल	कुछ नहीं;

(ख) सं० 8 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(2)	(3)	(4)
2704 00	(क) ब्लास्ट फर्नेस या कोरेक्स तकनीक द्वारा कच्चे लोहे या स्टील के विनिर्माण के लिए; या (ख) फेरो अलॉय के विनिर्माण के लिए मेटलजॉकिल कोक	कुछ नहीं;

(ग) सं० 41 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(2)	(3)	(4)
7501	स्टील के विनिर्माण में प्रयोग के लिए निकिल आक्साइड सिन्टर	कुछ नहीं
41 ख	स्टील के विनिर्माण में प्रयोग के लिए अनरॉट निकिल	कुछ नहीं;

[फा० सं० बी-3/5/2003-टी आर यू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

टिप्पणी :- मूल अधिसूचना सं0 23/2002-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खेड 3, उपखंड (i) में साठ का० नि० 120 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित हुई थी, और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं0 59/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 2003 [साठका०नि० 285 (अ) तारीख 1 अप्रैल 2003] द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 68/2003-CUSTOMS

G.S.R. 369(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, and having regard to the maximum sales-tax, local tax or any other charges for the time being leviable on like goods, on their sale or purchase in India, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue) No.23/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, namely:-

In the said notification,-

(i) after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-
 ‘Provided further that in respect of the goods specified against S. Nos. 8A, 41A and 41B of the said Table, “nil” rate shall be subject to the condition that the importer follows the procedure set out in the Customs (Import of Goods at Concessional Rate of Duty for the Manufacture of Exeisable Goods) Rules, 1996.”;

(iii) in the Table,-

(a) after S.No. 5 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)
“5A.	1511 90 10 or 1511 90 20	All goods	Nil

(b) after S.No.8 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)
“8A.	2704 60	Metallurgical coke fer (a) manufacture of pig-iron or steel using a blast furnace or COREX technology; or (b) manufacture of ferro-alloys	Nil”;

(c) after S.No.41 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)
“41A.	7501	Nickel oxide sinter for use in the manufacture of steel	Nil
41B.	7502	Unwrought nickel for use in the manufacture of steel	Nil”.

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Footnote:- The principal notification No. 23/2002-Customs, dated the 1st March, 2002 was published in the Gazette of India vide number G.S.R. 120(E), dated the 1st March, 2002 and was last amended vide notification No.59/2003-Customs, dated the 1st April, 2003 [G.S.R. 285(E), dated the 1st April, 2003].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 69/2003-सीमा शुल्क

सा०का०नि० 370(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 25/2002-सीमा शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना के आरंभिक पैरा में “15%” प्रविष्टि के स्थान पर “10 प्रतिशत” प्रविष्टि रखी जाएगी।

[फा० सं० बी-3/5/2003-टी आर यू]
वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

टिप्पण :— मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में अधिसूचना सं० 25/2002-सीमा शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 (सा.का.नि. 122(अ), तारीख 1 मार्च, 2002)द्वारा प्रकाशित की गई थी और अंतिम बार अधिसूचना सं. 28/2003-सीमा शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003 (सा.का.नि. 163(अ), तारीख 1 मार्च, 2003) द्वारा संशोधित की गई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 69/2003-CUSTOMS

G.S.R. 370(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 25/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, namely:-

In the said notification, in the opening paragraph, for the entry “15%”, the entry “10 per cent.” shall be substituted.

[F. No. B-3/5/2003-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Note :— The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 25/2002-Customs, dated the 1st March, 2002 [G.S.R. 122(E), dated the 1st March, 2002] and was last amended vide notification No. 28/2003- Customs, dated the 1st March, 2003 [G.S.R. 163(E), dated the 1st March, 2003].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2003

सं० 70/2003-सीमा शुल्क

सा०का०नि० 371(अ)।—अभिहित प्राधिकारी, दक्षिणी कोरिया, थाईलैंड और ताईवान (जिन्हें इसके बाद विषयगत देश भी कहा गया है) में उत्पादित या वहां से निर्यात किये गए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 ।1975 का 51। की पहली अनुसूची के उपशीर्ष 5902 10 के अंतर्गत आने वाली नाइलोन टायर कार्ड फैब्रिक (एन टी सी एफ) (जिसे इसके बाद विषयगत माल भी कहा गया है) के आयात के मामले में भारत के राजत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 22 फरवरी, 2000 में प्रकाशित अधिसूचना सं 31/1/98- डी जी ए डी, तारीख 22 फरवरी, 2000 द्वारा अपने अंतिम निर्णय में इस निर्णय पर पहुँचे थे कि -

Iक। विषयगत देशों में उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए नाइलोन टायर कार्ड फैब्रिक (एन टी सी एफ) का उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया;

Iख। घरेलू उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई थी;

II। घरेलू उद्योग को यह क्षति विषयगत देशों में उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए विषयगत माल के पाटन से कारित हुई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 28 मार्च, 2000 में प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 22/2000-सीमाशुल्क, तारीख 28 मार्च, 2000 (सा०का०नि० 263 (अ), तारीख 28 मार्च, 2000) द्वारा प्रतिपाठ शुल्क अधिरोपित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने अपील सं. सी/प्र./288/2000-एडी, सी/195/2000 एडी, सी 233/2000-एडी और सी 234/2000-एडी के साथ सी /194/2000-ए डी में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण के अंतिम आदेश सं. 37-40/2000-ए.डी तारीख 6 नवम्बर, 2000 के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 27 दिसम्बर, 2000 में प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 157/2000-सीमाशुल्क, तारीख 27 दिसम्बर, 2000 (सा०का०नि० 938 (अ), तारीख 27 दिसम्बर, 2000) द्वारा उक्त अधिसूचना सं० 32/2000-सीमाशुल्क द्वारा अधिरोपित प्रतिपाठन शुल्क को पुनरीक्षित किया है;

और अभिहित प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के अनुरोध के आधार पर सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 के नियम 23 के अनुसार संबद्ध देशों से एन टी सी एफ पर प्रतिपाठन शुल्क लगाने को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए जाँच को प्रारंभ किया;

और अभिहित प्राधिकारी ने, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1, तारीख 20 मार्च, 2003 में प्रकाशित अधिसूचना सं. 57/1/2001-डी जी ए डी, तारीख 20 मार्च, 2003 द्वारा समीक्षा पर अपने अंतिम निष्कर्षों में, विषयगत देशों से विषयगत माल के सभी आशातों पर दिनांक 29.2.2000 के अंतिम जॉच परिणाम संख्या 31/01/1998. ए डी के तहत सिफारिश किए गए तथा लगाए गए प्रतिपाठन शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश की है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ पाठित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपादित शुल्क का आंकलन और संग्रहण तथा क्षमि निर्धारण। नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 23 के साथ पठित उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा ७क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी की समीक्षा को विचार करने के बाद, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 32/2000-सीमाशुल्क, तारीख 28 मार्च, 2000 और 157/2000-सीमाशुल्क, तारीख 27 दिसम्बर, 2000 की उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे विखंडन से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, को विखंडित करती है।

[फ्र० सं० 354/199/2002-टी आर य०]
वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2003

No. 70/2003-CUSTOMS

G.S.R. 371(E).— WHEREAS, in the matter of import of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) falling under sub-heading 5902 10 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (herein after referred to as the subject goods), originating in or exported from South Korea, Indonesia, Thailand and Taiwan (herein after referred to as the subject countries), the designated authority, vide notification No. 31/1/98-DGAD, dated the 22nd February, 2000, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 22nd February, 2000, had in its final findings concluded that—

- (a) Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in, or exported from, subject countries had been exported to India below its normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from subject countries.

AND WHEREAS, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government has imposed anti-dumping duty vide notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 32/2000-Customs, dated the 28th March, 2000 [G.S.R. 263 (E), dated the 28th March], published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 28th March, 2000:

AND WHEREAS, the Central Government, on the basis of the final order No. 37-40/2000-AD, dated the 6th November, 2000 of the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi in Appeal Nos. C/194/2000-AD with C/Misc/288/2000-AD, C/195/2000-AD, C/233/2000-AD and C/234/2000-AD, has revised the duties imposed under the said notification No. 32/2000-Customs vide notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 157/2000-Customs, dated the 27th December, 2000 [G.S.R. 938(E), dated the 27th December], published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 27th December, 2000;

AND WHEREAS, on the basis of a request by the domestic industry for review in terms of rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Designated Authority initiated investigations to review the need for continued imposition of anti-dumping duty on all imports of the subject goods from the subject countries:

AND WHEREAS, the designated authority in its final findings on the review vide notification No. 57/1/2001-DGAD, dated the 20th March, 2003, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 20th March, 2003, has recommended for discontinuance of the anti-dumping duties recommended earlier vide final findings No. 31/1/1998-ADD dated 22/2/2000 and imposed on all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 9A of the said Customs Tariff Act read with rules 18, 20 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government after considering the aforesaid final findings in review of the designated authority, hereby rescinds the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), Nos.32/2000-Customs, dated the 28th March, 2000 and 157/2000-Customs, dated the 27th December, 2000, except as respect things done or omitted to be done before such rescission.

[F. No. 354/199/2002-TRU]
V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.